बिहार सरकार

Catch-Up Course

वैकल्पिक अकादमिक कैलेंडर

सेतु सामग्री

कक्षा–7 एवं 8 **विषय–ललित कला**

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना, बिहार द्वारा विकसित

शिक्षकों के लिए निर्देश

आप सभी अवगत हैं कि पिछले लगभग 10 माह से कोविड 19 के कारण विद्यालयों में बच्चों का पठन–पाठन सहित अन्य शैक्षणिक कार्य बाधित रहा है जिसके कारण उनके सीखने की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो गई है। इस लंबे और त्रासद अंतराल ने इस दौरान सीखने के अपेक्षित अवसरों को, खास कर विद्यालय में, कम कर दिया जिसके कारण बच्चों में Learning Gap बढ़ गया है। अतः ये आवश्यक और अपेक्षित है कि इस Learning Loss या Gap को कम किया जाय। शिक्षा से जुड़े विभिन्न हितधारकों से व्यापक विचार–विमर्श के उपरांत राज्य स्तर पर यह निर्णय लिया गया कि बच्चों के सीखने सिखाने की प्रक्रिया को गति प्रदान करने और उनमें अगली कक्षा की दक्षताओं के प्रति तत्परता उत्पन्न हो सके, इसके लिए अगले तीन महीनो के लिए कोविड काल से सम्बन्धित कक्षा के लिए, अधिगम प्रतिफलों के आलोक में विषय वस्तु को इस तरह तार्किक और संतुलित रूप से कम करते हुए प्रस्तुत किया जाय कि Learning Loss या Gap को कम किया जा सके। इसके लिए तीन माह का Catch-Up-Course विकसित करते हुए पाठ्य–पुस्तक से उन सामग्रियों/विषय वस्तुओं/गतिविधियों की पहचान की गई जिनके माध्यम से बच्चों के Learning Loss या Gap को कम करते हुए अपेक्षित अधिगम प्रतिफल सुनिश्चित कर उन्हें अगली कक्षा के लिए तैयार और तत्पर किया जा सके। वस्तुतः चिन्हित सामग्री/विषय वस्तु/गतिविधियां, क्रियाकलाप तथा शिक्षण रणनीति पूर्व और अगली कक्षा के लिए सेतु का कार्य करेगी।

विकसित Catch-Up-Course (वैकल्पिक अकादमिक कैलेंडर) और चयनित विषय वस्तु के आलोक में बच्चों में अपेक्षित अधिगम प्रतिफल सुनिश्चित हो सके इस हेतु निम्न तथ्यों को ध्यान में रखा जाना अपेक्षित है।

–कोविड– 19 की सुरक्षा से सम्बन्धित सभी विभागीय निर्देशों एवं प्रावधानों का पूर्णतः सावधानी से अनुपालन किया जाए।

– Catch-Up-Course कुल 60 दिनों के लिए विकसित किया गया है।

– चयनित विषय वस्तु में (ललित कला) की पाठ्यक्रम 7–8 के पाठ लिए गए हैं। कक्षा 6–7 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 7–8 में पढ़ रहे है, उनके लिए तीन महीने का Catch-Up-Course हैं।

–चिन्हित पाठों से सम्बन्धित अधिगम प्रतिफल या सीखने के प्रतिफल Catch-Up-Course के सम्बन्धित पाठ के साथ दिये गए हैं।

– सभी चिन्हित पाठों के लिए अधिगम संकेतक दिये गए है जिनके आलोक में बच्चों में अधिगम सुनिश्चित किया जाना अपेक्षित है।

– पुनः सभी पाठों के साथ बच्चों में सहज अधिगम सुनिश्चित किए जाने को ध्यान में रखते हुए उससे सम्बन्धित कुछ सुझावात्मक प्रक्रिया दी गई है जिनका उपयोग कक्षा कक्ष प्रक्रिया में किया जा सकता है। ध्यान रहे ये प्रक्रिया मात्र सुझाव है न कि अंतिम। आप पाठ से सम्बन्धित नवाचारी प्रक्रियों का उपयोग करके अपनी प्रस्तुति को और भी सुगम बनाते हुए बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सहज और आकर्षक बना सकते हैं।

–सुझावात्मक प्रक्रिया के अंतर्गत पाठ से सम्बन्धित गतिविधियां, क्रिया कलाप और तालिकाओं की चर्चा की गई है जिन्हें कक्षा कक्ष में सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में शामिल किया जाना अपेक्षित है जिससे बच्चों का सीखना सुनिश्चित हो सके और अधिगम प्रतिफल की संप्राप्ति हो सके।

– सुविधा के लिए प्रत्येक पाठ से संबन्धित गतिविधियों, क्रियाकलाप और तालिका से संबन्धित पृष्ठों को भी अंकित किया गया है।

–पुनः सभी चिन्हित पाठों से संबन्धित सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए संभावित दिनों की संख्या भी सुझााई गई है जिसे ध्यान में रखा जाय।

– सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों को बातचीत करने, अपने अनुभवों को साझाा करने और जहां तक संभव हो स्वयं से कर के सीखने का पर्याप्त अवसर दिया जाना अपेक्षित है। इससे बच्चों को कोविड 19 के कारण हुए विविध आघात (Trauma) और संबन्धित दुष्प्रभावों से बाहर निकालने में मदद मिलेगी, बच्चे सहज हो सकेंगे, विद्यालय, कक्षा और अपने सहपाठियों के प्रति भी सहज हो सकेंगे।

– यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि बच्चे पूरी शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में मानसिक और शारीरिक रूप से सहज बने रहे। सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया और विद्यालय वातावरण दवाबमुक्त हो।

निदेशक
(गिरिवर दयाल सिंह)
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
बिहार, पटना।

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री (catch up course)
कक्षा –7 (कक्षा–6 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 7 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवस की सामग्री)

Class-**7th** **Subject**-ललित कला

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक एवं संसाधन	(क्रियात्मक) सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोंमें)
✓ किसी भी वस्तु को फ्री हैण्ड ड्राइंग करना सीखते है।	1. ड्राइंग	✓ चार्ट पेपर, ड्राइंग सीट, पेंसिल, रबड़ इत्यादि	✓ किसी भी वस्तु को मेज पर रखकर उसे फ्री हैंण्ड ड्राइंग करें तथा उस पर पड़ रहे छाया प्रकाश को चित्रित करें। विषय जैसे–कप, गिलास, घड़ा इत्यादि।	प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधिके लिए 5–6 दिन
✓ प्राकृतिक चित्रण में पेड़–पौधों की आकृति को समझना एवं चित्रित करना सीखते है।	2. प्राकृतिक चित्रण	✓ चार्ट पेपर, ड्राइंग सीट, पेंसिल, रबड़, कलर, ब्रश इत्यादि।	✓ ड्राइंग सीट या चार्ट पेपर पेड़–पौधों की आकृति को चित्रित कर उसमें रंग भरें। विषय जैसे–पेड़–पौधे इत्यादि।	प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधिके लिए 5–6 दिन
✓ पेपर का इस्तेमाल कर ग्रिटिंग कार्ड बनाना सीखते है।	3. ग्रिटिंग कार्ड	✓ पेपर ए3, ए4 आकार का ड्राइंग सीट, पेंसिल, रबड़, कलर, ब्रश इत्यादि।	✓ ए3, ए4 आकार का सीट पर विषय वस्तु को रेखांकन कर उसमें कलर भरें। जैसे विषय वस्तु–कोरोना महामारी, पर्व त्यौहार।	प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधिके लिए 5–6 दिन
✓ मानव आकृति की विभिन्न मुद्राओं को सीखते हैं।	4. मानव आकृति	✓ चार्ट पेपर, ड्राइंग सीट, पेंसिल, रबड़, रंग ब्रश इत्यादि।	✓ मानव आकृति या उनके समूह के विभिन्न मुद्राओं को चित्र के माध्यम से चित्रित करने का अवसर देते हैं।	प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधिके लिए 5–6 दिन

✓ पशु–पक्षी के आकार को समझना तथा कलाकृति बनाना सीखने का प्रयास करते हैं।	5. पशु–पक्षी चित्रण	✓ चार्ट पेपर, ड्राइंग सीट, पेंसिल, रबड़, रंग ब्रश इत्यादि।	✓ ड्राइंग सीट या चार्ट पेपर पर चित्रण कर उसे पेंसिल से छाया प्रकाश दर्शाते हुए चित्रित करें। बिषय जैसे–हाथी, बिल्ली, कौआ इत्यादि।	प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधिके लिए 5–6 दिन
✓ पेपर से क्राफ्ट बनाने की कला को सीखना एवं मॉडल बनाना सीखते हैं।	6. क्राफ्ट	✓ चार्ट पेपर, ड्राइंग सीट, पेंसिल, रबड़, पुराने समाचार पत्र इत्यादि।	✓ क्राफ्ट बनाने के लिए चार्ट पेपर या कलर फुल टुकड़े या पुराने पेपर का इस्तेमाल कर खिलौने 3 डी मॉडल में बना सकते हैं।	प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधिके लिए 5–6 दिन
✓ किसी भी विषय पर रंगोली बनाने की कला को सीखते हैं।	7. रंगोली	✓ चार्ट पेपर, ड्राइंग सीट, पेंसिल, रबड़, रंग, ब्रश, भूमि, आंगन इत्यादि।	✓ किसी भी धरातल पर चौक या पेंसिल से ड्राइंग करने के बाद उसे रंग भरे तथा उस विषय को दर्शाये जैसे कोरोना महामारी, जल–जीवन–हरियाली	प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधिके लिए 5–6 दिन
✓ किसी भी विषय पर पोस्टर बनाने की कला को सीखते हैं।	8. पोस्टर पेंटिग	✓ चार्ट पेपर, ड्राइंग सीट, पेंसिल, रबड़, रंग, ब्रश, इत्यादि।	✓ किसी भी विषय पर ड्राइंग करने के बाद उसे पोस्टर कलर से रंग भरें तथा उस विषय को दर्शाएँ। जैसे–कोरोना महामारी, जल –जीवन– हरियाली इत्यादि	प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधिके लिए 5–6 दिन

बिहार सरकार

Catch-Up Course

वैकल्पिक अकादमिक कैलेंडर

सेतु सामग्री

कक्षा– 8 **विषय–ललित कला**

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना, बिहार द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री **(Catch up course)**

कक्षा – 8 (कक्षा – 7 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा– 8 में पढ़ रहे हैं उनके लिए 60 कार्य दिवस की सामग्री)

Class:- (VIII) Subject:- ललित कला

सीखने का प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय Chapters	साधन Sources	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive process	अवधि (दिनों में) Duration (in Days)
1) किसी भी वस्तु के आकार को समझना	1. स्केचिंग वस्तु चित्रण	• चार्ट पेपर, ड्राइंग सीट, पेंसिल, रबड़, इरेजर, सैण्ड पेपर इत्यादि	• किसी भी वस्तु को मेज पर रखकर उसे फ्री हैण्ड ड्राइंग करे तथा उस वस्तु पर पड़ रहे छाया प्रकाश को दर्शाएँ, विषय– जैसे– गिलास, पौधा, घड़ा इत्यादि	• प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि 5 से 6 दिन
2) प्राकृतिक चित्रण में पहाड़, पेड़, झरना इत्यादि को कला के माध्यम से उसके आकार एवं रूप को समझना।	2. प्राकृतिक चित्रण	• ड्रांइग सीट, पेंसिल, रबड़, क्रेयॉन, वाटर कलर, इत्यादि	• ड्राइंग सीट या चार्ट पेपर पर प्राकृतिक चित्रण कर उसमें वाटर कलर से रंग भरें साथ ही साथ उसमें पड़ रहे धुप छाँव को भी दिखाएँ। विषय, जैसे– पहाड़, पेड़, झरना, झोपड़ी इत्यादि	• प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि 5 से 6 दिन • कुल अवधि 60 दिन
3) पेपर से क्राफ्ट बनाने की कला को	3) क्राफ्ट	• ड्राइंग सीट,	• क्राफ्ट बनाने के लिए चार्ट पेपर या कलर फूल टुकड़े का इस्तेमाल–	• प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि

सीखना, एवं मॉडल बनाना सीखना		चार्ट पेपर, पेंसिल, रबड़, गोंद कैंची इत्यादि	कर, टेबल लैम्प, फ्लावर पौट एवं 3डी मॉडल बनाए जा सकते हैं।	• प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि 5 से 6 दिन
4) फुलों के आकार को समझना एवं उसकी कोमलता को ड्रा करना, सीखना।	4) फ्लावर पेंटिंग	• ड्राइंग सीट, चार्ट पेपर, पेंसिल, रबड़, कलर इत्यादि	• किसी भी ड्राइंग सीट पर फ्री हैण्ड फ्लावर की ड्राइंग कर उसमें वाटर कलर से रंग भरे। जैसे– विषयः सूरजमुखी के फूल, गुलाब, कमल आदि	• प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि 5 से 6 दिन
5) मानव आकृति या उनके समूह को विभिन्न मुद्राओं को अंकित करना।	5) मानव आकृति	• ड्राइंग सीट, चार्ट पेपर, पेंसिल, रबड़, रंग इत्यादि	• मानव की आकृति को पेंसिल से चिह्नित कर उसे बनाएँ तथा मानव आकृति के रूप आकार को दर्शाएँ।	• प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि 5 से 6 दिन
6) किसी भी विषय पर पोस्टर बनाने की कला को सीखना	6) पोस्टर पेंटिंग	• चार्ट पेपर, ड्राइंग सीट, इरेजर, रबड़, कलर ब्रश आदि	• किसी भी विषय पर पेपर पर ड्राइंग करने के बाद उसे पोस्टर कलर से रंग भरें, तथा उस विषय को दर्शाएँ। जैसेः– कोरोना महामारी, जल जीवन हरियाली आदि	• प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि 5 से 6 दिन

7) पेपर के टुकड़े से कलाकृति बनाना एवं पुराने पन्ने का इस्तेमाल करना सीखना।	7) पेपर, कोलाज	• चार्ट पेपर, ड्राइंग सीट पेंसिल, गोंद, कैंची इत्यादि	• चार्ट पेपर या ड्राइंग सीट पर रेखांकन करने के बाद पुरानी पुस्तिका या कलर फूल पेपर के टुकड़े को गोंद से चिपकाएँ। विषय– पर्यावरण, जल जीवन हरियाली, प्राकृतिक चित्रण आदि	• प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि 5 से 6 दिन
8) किसी भी विषय पर धरातल या ड्राइंग सीट पर रंगोली बनानें की कला को सीखना।	8) रंगोली	• चार्ट पेपर, रंग, ड्राइंग सीट भूमि आँगन इत्यादि	• किसी भी धरातल पर चौक या पेंसिल से ड्रांइग करने के बाद उसे रंग, अबीर पेन्ट से रंग भरकर कलाकृति को सुन्दर बनाएँ।	• प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि 5 से 6 दिन

लेखन

नाम	विद्यालय / संस्थान का नाम
प्रेम शंकर	प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय, हरनौत (नालन्दा)

अकादमिक सहयोग–राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार के संकाय सदस्य

- डा0 किरण शरण, संयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
- डा0 रश्मि प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डा0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी, शिक्षण शास्त्र, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डा0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डा0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक, कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डा0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 अर्चना, प्रभारी, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभारानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभारानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना